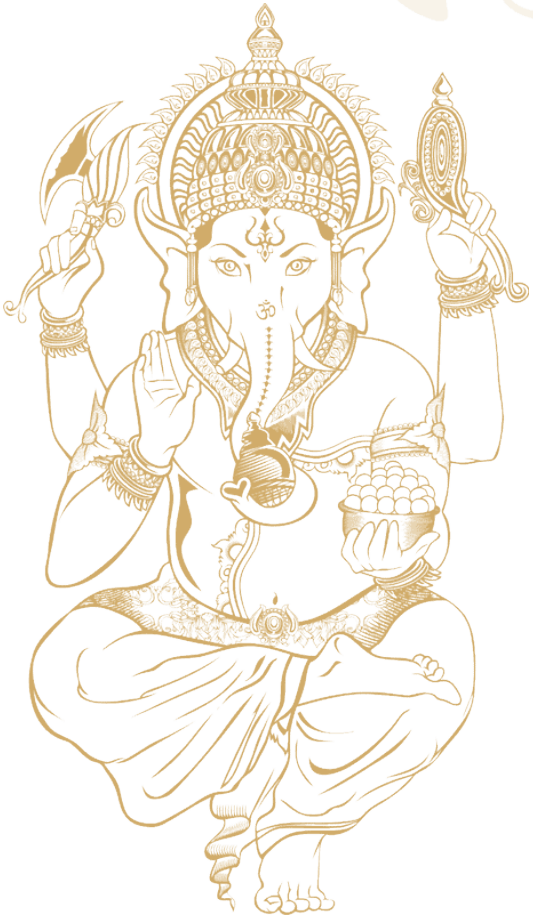

Balkrishan Sharma

09 Apr 1962

11:30 AM

Simla

Model: Web-VarshKundli

Order No: 121740801

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
09/04/1962	जन्म तिथि	**9-10/04/2026**
सोमवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 11:30:00	जन्म समय	00:56:24 घंटे
घटी 13:40:59	जन्म समय(घटी)	47:18:27 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:36	सूर्योदय	06:01:01
18:44:28	सूर्यास्त	18:45:26
23:19:35	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:33

मिथुन	लग्न	धनु
बुध	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
वृष	राशि	धनु
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
मृगशिरा	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
1	चरण	3
सौभाग्य	योग	शिव
बालव	करण	बालव
वे-वेद	जन्म नामाक्षर	फा-फाल्गुनी
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	मानव
सर्प	योनि	वानर
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	मूषक
64	गत/तत्कालिक वर्ष	65

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पुनर्वसु	2	23:46:05	मिथु			लग्न			धनु	16:48:32	2	पूर्वाषाढ़ा
रेवती	3	25:35:06	मीन			सूर्य			मीन	25:43:26	3	रेवती
मृगशिरा	1	25:00:22	वृष			चंद्र			धनु	21:22:53	3	पूर्वाषाढ़ा
पू०भाद्रपद	3	28:32:22	कुंभ			मंगल		अ	मीन	05:46:09	1	उ०भाद्रपद
रेवती	1	18:19:30	मीन		अ	बुध			कुंभ	28:44:05	3	पू०भाद्रपद
शतभिषा	1	09:40:47	कुंभ			गुरु			मिथु	22:14:18	1	पुनर्वसु
अश्विनी	4	13:11:48	मेष			शुक्र			मेष	18:14:20	2	भरणी
श्रवण	2	16:37:36	मक			शनि		अ	मीन	12:24:42	3	उ०भाद्रपद
आश्लेषा	2	22:27:18	कर्क	व		राहु	व		कुंभ	13:49:58	3	शतभिषा
श्रवण	4	22:27:18	मक	व		केतु	व		सिंह	13:49:58	1	पू०फाल्गुनी
मघा	2	03:20:39	सिंह	व		मु			तुला	23:46:05	2	विशाखा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

लग्न-चलित

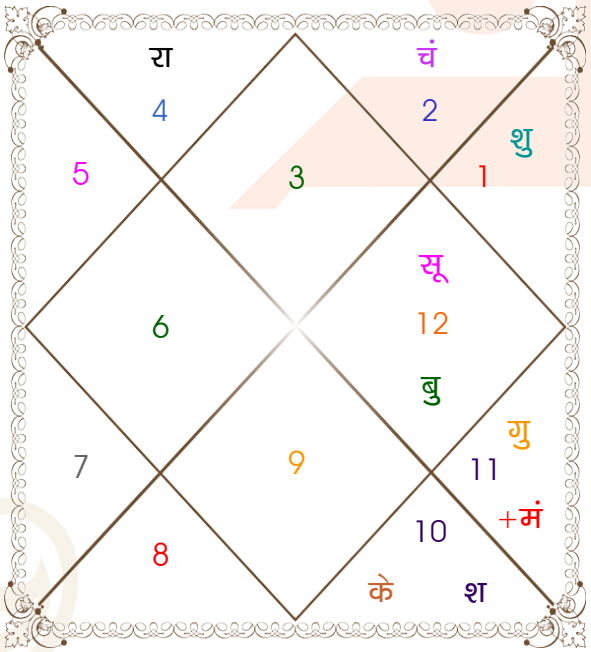

वर्ष लग्न कुंडली

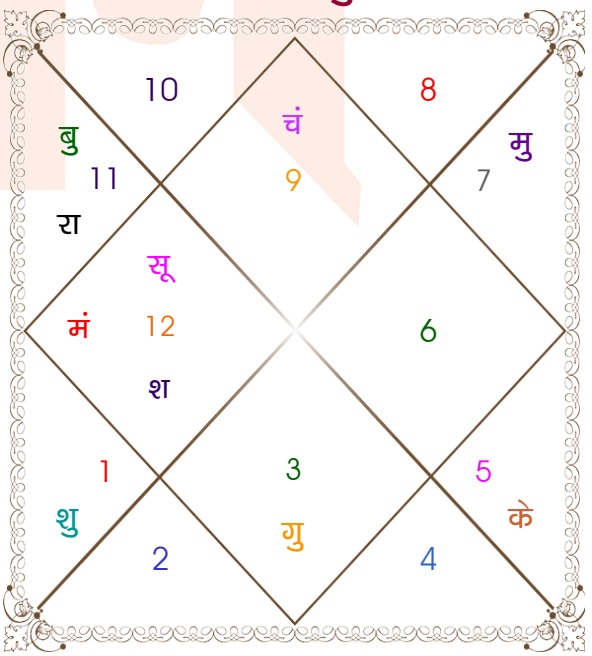

चन्द्र कुंडली

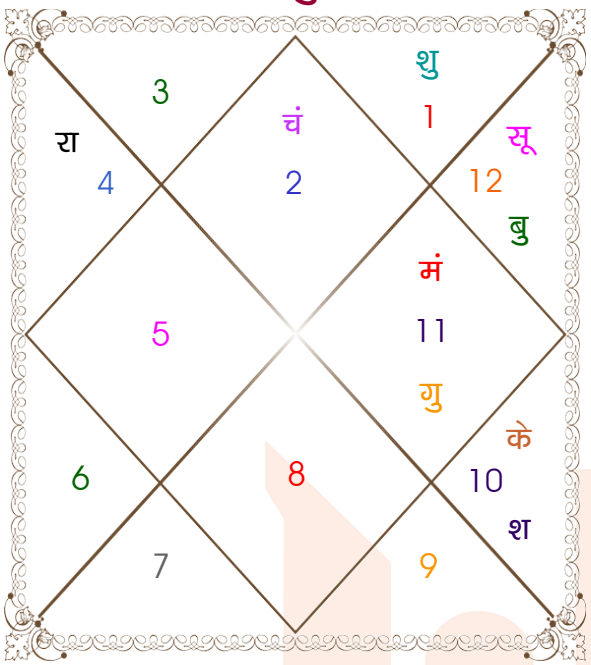

वर्ष चन्द्र कुंडली

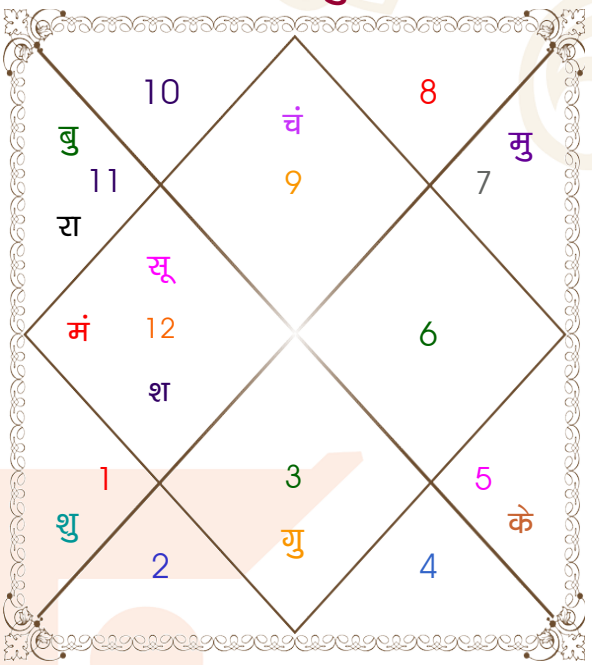

नवमांश कुंडली

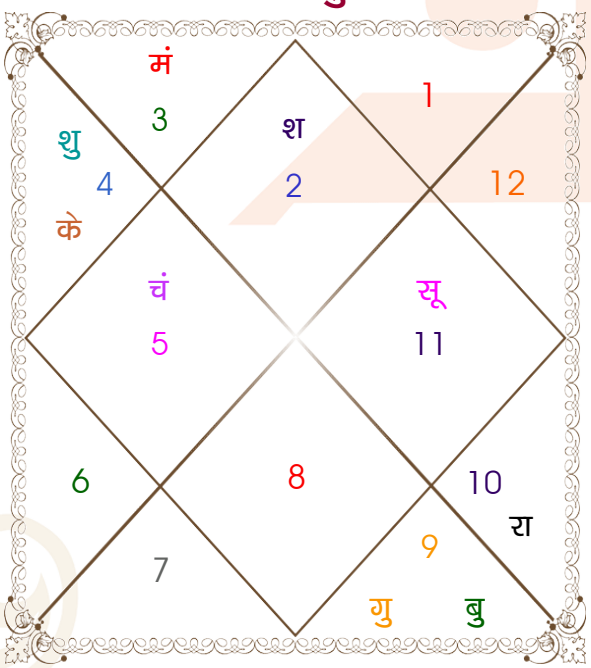

वर्ष नवमांश कुंडली

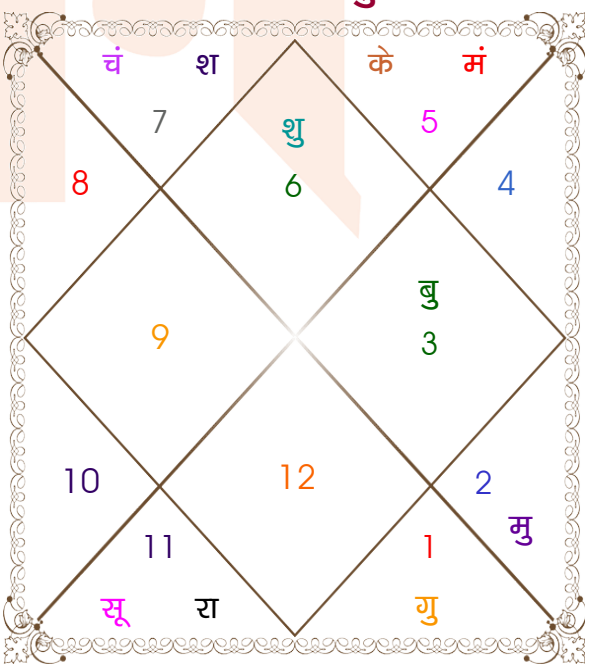

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	सम	शत्रु
चन्द्र	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
मंगल	शत्रु	शत्रु	---	सम	शत्रु	सम	शत्रु
बुध	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	सम
गुरु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
शुक्र	सम	मित्र	सम	मित्र	मित्र	---	सम
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	धनु	मीन	धनु	मीन	कुंभ	मिथु	मेष	मीन
होरा	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	कर्क	वृश्चि	कुंभ	मक	कर्क	सिंह	सिंह	मीन
चतुर्थांश	मिथु	धनु	मिथु	मीन	वृश्चि	धनु	तुला	मिथु
पंचमांश	धनु	वृश्चि	मिथु	वृष	तुला	मिथु	मिथु	मीन
षष्ठांश	कर्क	मीन	सिंह	वृश्चि	कन्या	सिंह	कर्क	धनु
सप्तमांश	मीन	मीन	मेष	तुला	सिंह	वृश्चि	सिंह	वृश्चि
अष्टमांश	कन्या	वृश्चि	तुला	मिथु	मीन	तुला	सिंह	सिंह
नवमांश	कन्या	कुंभ	तुला	सिंह	मिथु	मेष	कन्या	तुला
दशमांश	वृष	कर्क	कर्क	धनु	वृश्चि	मक	तुला	मीन
एकादशांश	वृष	वृश्चि	मिथु	मेष	वृश्चि	मक	कन्या	मिथु
द्वादशांश	मिथु	मक	सिंह	वृष	मक	कुंभ	वृश्चि	कर्क

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	शत्रु
होरा	स्व	स्व	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
द्रेष्काण	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु
चतुर्थांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	स्व	स्व	सम
पंचमांश	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
षष्ठांश	शत्रु	शत्रु	स्व	स्व	शत्रु	मित्र	शत्रु
सप्तमांश	शत्रु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	सम	शत्रु
अष्टमांश	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	मित्र	सम	शत्रु
नवमांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व	शत्रु	मित्र	सम
दशमांश	शत्रु	स्व	शत्रु	सम	शत्रु	स्व	शत्रु
एकादशांश	शत्रु	मित्र	स्व	सम	शत्रु	मित्र	सम
द्वादशांश	शत्रु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	सम	शत्रु
शुभ	1	7	2	6	4	7	0
सम	0	0	4	6	0	5	3
अशुभ	11	5	6	0	8	0	9
कुल	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	5	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	0
तृतीय बल	5	5	5	5	0	0	0
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	5	10	5	10	0	10	5
बल	क्षीण	सामान्य	क्षीण	सामान्य	अतिक्षीण	सामान्य	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	7.50	7.50	15.00	22.50	15.00	7.50
उच्च बल	18.41	5.38	15.80	1.81	18.58	17.64	4.18
हददा बल	3.75	3.75	7.50	7.50	3.75	11.25	3.75
द्रेष्काण	2.50	2.50	2.50	7.50	2.50	5.00	2.50
नवमांश	1.25	3.75	1.25	5.00	1.25	3.75	2.50
कुल	33.41	22.88	34.55	36.81	48.58	52.64	20.43
विंशोपक	8.35	5.72	8.64	9.20	12.15	13.16	5.11
बल	सामान्य	सामान्य	सामान्य	सामान्य	शुभ	शुभ	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	बुध	9.20	शुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	गुरु	12.15	अति अशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	शुक्र	13.16	अतिशुभ	शुक्र
दिवापति	गुरु	12.15	अति अशुभ	
त्रिराशिपति	शनि	5.11	अशुभ	

पात्यंश दशा

मंगल		शनि		लग्न		शुक्र		चंद्र	
10/04/2026		22/06/2026		14/09/2026		09/11/2026		27/11/2026	
22/06/2026		14/09/2026		09/11/2026		27/11/2026		06/01/2027	
मंगल	24/04/2026	शनि	11/07/2026	लग्न	23/09/2026	शुक्र	10/11/2026	चंद्र	02/12/2026
शनि	11/05/2026	लग्न	24/07/2026	शुक्र	26/09/2026	चंद्र	12/11/2026	गुरु	03/12/2026
लग्न	22/05/2026	शुक्र	29/07/2026	चंद्र	02/10/2026	गुरु	13/11/2026	सूर्य	08/12/2026
शुक्र	26/05/2026	चंद्र	07/08/2026	गुरु	03/10/2026	सूर्य	15/11/2026	बुध	12/12/2026
चंद्र	03/06/2026	गुरु	09/08/2026	सूर्य	10/10/2026	बुध	17/11/2026	मंगल	20/12/2026
गुरु	05/06/2026	सूर्य	20/08/2026	बुध	16/10/2026	मंगल	20/11/2026	शनि	29/12/2026
सूर्य	14/06/2026	बुध	28/08/2026	मंगल	27/10/2026	शनि	25/11/2026	लग्न	04/01/2027
बुध	22/06/2026	मंगल	14/09/2026	शनि	09/11/2026	लग्न	27/11/2026	शुक्र	06/01/2027

गुरु		सूर्य		बुध		बुध		बुध	
06/01/2027		17/01/2027		03/03/2027		03/03/2027		03/03/2027	
17/01/2027		03/03/2027		10/04/2027		10/04/2027		10/04/2027	
गुरु	07/01/2027	सूर्य	23/01/2027	बुध	07/03/2027	बुध	07/03/2027	बुध	07/03/2027
सूर्य	08/01/2027	बुध	27/01/2027	मंगल	14/03/2027	मंगल	14/03/2027	मंगल	14/03/2027
बुध	09/01/2027	मंगल	05/02/2027	शनि	23/03/2027	शनि	23/03/2027	शनि	23/03/2027
मंगल	11/01/2027	शनि	15/02/2027	लग्न	29/03/2027	लग्न	29/03/2027	लग्न	29/03/2027
शनि	14/01/2027	लग्न	22/02/2027	शुक्र	31/03/2027	शुक्र	31/03/2027	शुक्र	31/03/2027
लग्न	15/01/2027	शुक्र	24/02/2027	चंद्र	04/04/2027	चंद्र	04/04/2027	चंद्र	04/04/2027
शुक्र	16/01/2027	चंद्र	01/03/2027	गुरु	05/04/2027	गुरु	05/04/2027	गुरु	05/04/2027
चंद्र	17/01/2027	गुरु	03/03/2027	सूर्य	10/04/2027	सूर्य	10/04/2027	सूर्य	10/04/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

राहु		गुरु		शनि		बुध		केतु	
10/04/2026		**03/06/2026**		**22/07/2026**		**18/09/2026**		**09/11/2026**	
03/06/2026		**22/07/2026**		**18/09/2026**		**09/11/2026**		**30/11/2026**	
राहु	18/04/2026	गुरु	10/06/2026	शनि	31/07/2026	बुध	25/09/2026	केतु	10/11/2026
गुरु	25/04/2026	शनि	18/06/2026	बुध	08/08/2026	केतु	28/09/2026	शुक्र	13/11/2026
शनि	04/05/2026	बुध	24/06/2026	केतु	12/08/2026	शुक्र	07/10/2026	सूर्य	14/11/2026
बुध	11/05/2026	केतु	27/06/2026	शुक्र	21/08/2026	सूर्य	09/10/2026	चंद्र	16/11/2026
केतु	15/05/2026	शुक्र	05/07/2026	सूर्य	24/08/2026	चंद्र	14/10/2026	मंगल	17/11/2026
शुक्र	24/05/2026	सूर्य	08/07/2026	चंद्र	29/08/2026	मंगल	17/10/2026	राहु	21/11/2026
सूर्य	27/05/2026	चंद्र	12/07/2026	मंगल	01/09/2026	राहु	25/10/2026	गुरु	24/11/2026
चंद्र	31/05/2026	मंगल	15/07/2026	राहु	10/09/2026	गुरु	31/10/2026	शनि	27/11/2026
मंगल	03/06/2026	राहु	22/07/2026	गुरु	18/09/2026	शनि	09/11/2026	बुध	30/11/2026

शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल		मंगल	
30/11/2026		**30/01/2027**		**17/02/2027**		**19/03/2027**		**19/03/2027**	
30/01/2027		**17/02/2027**		**19/03/2027**		**10/04/2027**		**10/04/2027**	
शुक्र	10/12/2026	सूर्य	31/01/2027	चंद्र	20/02/2027	मंगल	21/03/2027	मंगल	21/03/2027
सूर्य	13/12/2026	चंद्र	01/02/2027	मंगल	21/02/2027	राहु	24/03/2027	राहु	24/03/2027
चंद्र	18/12/2026	मंगल	02/02/2027	राहु	26/02/2027	गुरु	27/03/2027	गुरु	27/03/2027
मंगल	22/12/2026	राहु	05/02/2027	गुरु	02/03/2027	शनि	30/03/2027	शनि	30/03/2027
राहु	31/12/2026	गुरु	07/02/2027	शनि	07/03/2027	बुध	02/04/2027	बुध	02/04/2027
गुरु	08/01/2027	शनि	10/02/2027	बुध	11/03/2027	केतु	03/04/2027	केतु	03/04/2027
शनि	18/01/2027	बुध	13/02/2027	केतु	13/03/2027	शुक्र	07/04/2027	शुक्र	07/04/2027
बुध	26/01/2027	केतु	14/02/2027	शुक्र	18/03/2027	सूर्य	08/04/2027	सूर्य	08/04/2027
केतु	30/01/2027	शुक्र	17/02/2027	सूर्य	19/03/2027	चंद्र	10/04/2027	चंद्र	10/04/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - शुक्र - गुरु	
26/03/2026 15:06	
11/08/2026 14:42	
गुरु	14/04/2026 00:39
शनि	05/05/2026 20:59
बुध	25/05/2026 10:08
केतु	02/06/2026 11:18
शुक्र	25/06/2026 11:14
सूर्य	02/07/2026 08:49
चंद्र	13/07/2026 20:47
मंगल	21/07/2026 21:58
राहु	11/08/2026 14:42

बुध - शुक्र - शनि	
11/08/2026 14:42	
22/01/2027 11:14	
शनि	06/09/2026 13:21
बुध	29/09/2026 18:28
केतु	09/10/2026 07:52
शुक्र	05/11/2026 15:17
सूर्य	13/11/2026 19:54
चंद्र	27/11/2026 11:37
मंगल	07/12/2026 01:01
राहु	31/12/2026 14:54
गुरु	22/01/2027 11:14

बुध - शुक्र - बुध	
22/01/2027 11:14	
18/06/2027 01:48	
बुध	12/02/2027 05:42
केतु	20/02/2027 18:57
शुक्र	17/03/2027 05:22
सूर्य	24/03/2027 13:18
चंद्र	05/04/2027 18:31
मंगल	14/04/2027 07:46
राहु	06/05/2027 07:33
गुरु	25/05/2027 20:42
शनि	18/06/2027 01:48

बुध - शुक्र - केतु	
18/06/2027 01:48	
17/08/2027 10:38	
केतु	21/06/2027 14:19
शुक्र	01/07/2027 15:47
सूर्य	04/07/2027 16:14
चंद्र	09/07/2027 16:58
मंगल	13/07/2027 05:29
राहु	22/07/2027 06:48
गुरु	30/07/2027 07:59
शनि	08/08/2027 21:23
बुध	17/08/2027 10:38

बुध - सूर्य - सूर्य	
17/08/2027 10:38	
01/09/2027 23:11	
सूर्य	18/08/2027 05:15
चंद्र	19/08/2027 12:18
मंगल	20/08/2027 10:02
राहु	22/08/2027 17:55
गुरु	24/08/2027 19:36
शनि	27/08/2027 06:35
बुध	29/08/2027 11:22
केतु	30/08/2027 09:05
शुक्र	01/09/2027 23:11

बुध - सूर्य - चंद्र	
01/09/2027 23:11	
27/09/2027 20:07	
चंद्र	04/09/2027 02:56
मंगल	05/09/2027 15:09
राहु	09/09/2027 12:17
गुरु	12/09/2027 23:05
शनि	17/09/2027 01:23
बुध	20/09/2027 17:21
केतु	22/09/2027 05:35
शुक्र	26/09/2027 13:04
सूर्य	27/09/2027 20:07

बुध - सूर्य - मंगल	
27/09/2027 20:07	
15/10/2027 22:45	
मंगल	28/09/2027 21:28
राहु	01/10/2027 14:40
गुरु	04/10/2027 00:37
शनि	06/10/2027 21:26
बुध	09/10/2027 11:00
केतु	10/10/2027 12:22
शुक्र	13/10/2027 12:48
सूर्य	14/10/2027 10:32
चंद्र	15/10/2027 22:45

बुध - सूर्य - राहु	
15/10/2027 22:45	
01/12/2027 12:25	
राहु	22/10/2027 22:24
गुरु	29/10/2027 03:26
शनि	05/11/2027 12:24
बुध	12/11/2027 02:44
केतु	14/11/2027 19:55
शुक्र	22/11/2027 14:12
सूर्य	24/11/2027 22:05
चंद्र	28/11/2027 19:13
मंगल	01/12/2027 12:25

बुध - सूर्य - गुरु	
01/12/2027 12:25	
11/01/2028 21:54	
गुरु	07/12/2027 00:53
शनि	13/12/2027 14:11
बुध	19/12/2027 10:56
केतु	21/12/2027 20:53
शुक्र	28/12/2027 18:28
सूर्य	30/12/2027 20:08
चंद्र	03/01/2028 06:56
मंगल	05/01/2028 16:53
राहु	11/01/2028 21:54

बुध - सूर्य - शनि	
11/01/2028 21:54	
01/03/2028 01:40	
शनि	19/01/2028 16:42
बुध	26/01/2028 15:50
केतु	29/01/2028 12:39
शुक्र	06/02/2028 17:16
सूर्य	09/02/2028 04:16
चंद्र	13/02/2028 06:35
मंगल	16/02/2028 03:24
राहु	23/02/2028 12:21
गुरु	01/03/2028 01:40

बुध - सूर्य - बुध	
01/03/2028 01:40	
14/04/2028 01:14	
बुध	07/03/2028 07:12
केतु	09/03/2028 20:46
शुक्र	17/03/2028 04:42
सूर्य	19/03/2028 09:29
चंद्र	23/03/2028 01:27
मंगल	25/03/2028 15:01
राहु	01/04/2028 05:21
गुरु	07/04/2028 02:06
शनि	14/04/2028 01:14

बुध - सूर्य - केतु	
14/04/2028 01:14	
02/05/2028 03:53	
केतु	15/04/2028 02:35
शुक्र	18/04/2028 03:02
सूर्य	19/04/2028 00:46
चंद्र	20/04/2028 12:59
मंगल	21/04/2028 14:20
राहु	24/04/2028 07:32
गुरु	26/04/2028 17:29
शनि	29/04/2028 14:18
बुध	02/05/2028 03:53

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रूचि रहेगी । इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मन में भी शान्ति एवं सन्तुष्टि विद्य मान रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा विगत रूके हुए कार्य सफल होंगे। साथ ही समस्त आशाएं एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे तथा कोई भाग्योदय संबधी महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होगा । भौतिक सुख संसाधनों को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस समय आपके महिला मित्रों की संख्या में भी वृद्धि होगी तथा संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी एवं उनसे आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको वांछित द्रव्य पदार्थों की भी प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा तथा उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इस समय सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपसे वे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी साथ ही मित्र वर्ग से भी लाभार्जन होगा ।इस वर्ष अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा किसी विशिष्ट परीक्षा आदि में उतीर्ण होंगे तथा संबधियों एवं मित्र वर्ग के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी एवं वे सभी लोग आपको पूर्ण स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। राजनीति के क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। अतः इस समय आपको इस क्षेत्र में सक्रिय रहकर समय का सदुपयोग करना चाहिए। इससे आपके भविष्य में काफी उन्नति तथा परिवर्तन आ सकते हैं। अतः यत्नशील रहें।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
10/04/2026 00:56:24 से 10/05/2026 11:27:27 तक

इस मास में आपको शुभ फलों की अधिक मात्रा में प्राप्ति होगी। स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से धन लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा हृदय से भी पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। साथ ही ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी उन्नति करेंगे। इस समय मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा तथा वांछित पदार्थों का आप उपभोग करके प्रसन्न रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप शुभ फल ही प्राप्त करेंगे एवं सम्बन्धियों में आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही अपनी असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे। इस प्रकार यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदा कदा अशुभ फल भी होंगे।जिसके प्रभाव से आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं एवं किसी कठोर कार्य को करने से सम्मान में अल्पता की भी अनुभूति करेंगे। साथ ही अग्नि के द्वारा धन हानि की भी संभावना रहेगी।अतः बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

द्वितीय मास
10/05/2026 11:27:27 से 09/06/2026 21:58:30 तक

इस मास में आपके लिए मिलेजुले शुभाशुभ फल होंगे।अतः शारीरिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे।साथ ही दुश्मनों से भी आपको भय तथा चिन्ता का वातावरण प्राप्त होगा फलतः मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे। इस समय पारिवारिक जनों से भी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से आपसी सम्बन्धों में तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास हानि या मंदी आ सकती है साथ ही कोई परिवर्तन भी हो सकता है या संबधित कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य लोगों से भी आपके संबन्धों में कटुता उत्पन्न होगी। अतः सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिकत शरीर में रोग तथा धन की हानि होने की भी सम्भावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे जिससे आप उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगे एवं कार्यों में किंचित उन्नति का भी आभास होगा। आप इस समय दूर समीप की यात्रा भी करेंगे एवं नवीन वस्त्रादि की भी प्राप्ति होगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास

09/06/2026 21:58:30 से 10/07/2026 08:29:33 तक

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में आशातीत उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ सहयोगी आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेंगे फलतः आप कार्यक्षेत्र में प्रोन्नति प्राप्त करेंगे। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी भलाई के लिए कार्योंको भी सम्पन्न करेंगे साथ ही आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सिद्ध होंगे। फलतः आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों में आपकी श्रद्धा होगी तथा इनकी पूजा एवं सेवा में भी आप तत्पर रहेंगे। इस समय सामाजिक जनों में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा यश भी दूर दूर तक फैलेगा। इसके साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभ योग बनते रहेंगे। इस समय आप नवीन स्थान या गृह आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त पिछली असफल आशाओं को पूर्ण करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

इसके साथ ही इस मास में आप पुत्र एवं स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ, महत्वपूर्ण एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा जिसमें आपको अपने असफल कार्यों में भी सफलता प्राप्त होगी।

चतुर्थ मास

10/07/2026 08:29:33 से 09/08/2026 19:00:36 तक

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्य मान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

पंचम् मास
09/08/2026 19:00:36 से 09/09/2026 05:31:39 तक

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे ।सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी इस मास में सफलता प्राप्त करेंगे ।शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन भी प्रसन्नता से युक्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी तीव्र रूचि रहेगी। मित्रों तथा संबधियों से आपके संबध मधुर एवं घनिष्ठ रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास आपको वांछित द्रव्यों की प्राप्ति होगी जिसके उपभोग से आप सुखी तथा निश्चिंत रहेंगे। साथ ही बन्धु वर्ग में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कई शुभ कार्य सिद्ध होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करने में सफल रहेंगे।

षष्ठ मास
09/09/2026 05:31:39 से 09/10/2026 16:02:42 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथापि न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति करगें। आपके शत्रु भी इस मास प्रबल रहेंगे फलतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजिविका संबधी कार्य में शिथिलता आएगी तथा इनसे आपको पूर्ण लाभ नहीं होगा। साथ ही आपका कोई कार्य बन्द हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से आपका परस्पर वाद विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अवश्य अर्जित करेंगे। अतः स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा इनसे आप सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि की भी प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार आपके लिए यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

सप्तम् मास
09/10/2026 16:02:42 से 09/11/2026 02:33:45 तक

इस महीने में आप अपने कार्यक्षेत्र में आशातीत उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में पूर्ण सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ सहयोगी भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आपकी पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी।बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा उनकी भलाई के लिए कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे। जिससे मानसिक रूप से प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा निष्ठापूर्वक आप इनकी पूजा एवं सेवा करते रहेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश फैलेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभयोग बनते रहेंगे। इस मास में आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति करने में भी सफल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त विगत असफल अशाओं को पूर्ण करने में भी इस समय आपको सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण लाभार्जन तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ तथा सुखार्जन में भी सफलता प्राप्त करेंगे।अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा भाग्यशाली सिद्ध होगा।

अष्टम् मास
09/11/2026 02:33:45 से 09/12/2026 13:04:48 तक

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्धारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
09/12/2026 13:04:48 से 08/01/2027 23:35:51 तक

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा फलतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे साथ ही समाज में आपके यश में भी वृद्धि होगी। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में आपकी प्रतिष्ठा में नित्य वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी आपकी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

दशम् मास
08/01/2027 23:35:51 से 08/02/2027 10:06:54 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे ।साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

एकादश मास
08/02/2027 10:06:54 से 10/03/2027 20:37:57 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जित करने में सफल रहेंगे तथा आर्थिक रूप से पूर्ण सम्पन्न रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथासमय सिद्ध करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते है। इस समय संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे।साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। अपने बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र सम्माननीय तथा आदरणीय समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में श्रद्धा का प्रदर्शन करते हुए आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में सम्मान अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास
10/03/2027 20:37:57 से 10/04/2027 07:09:00 तक

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी सामाजिक तथा अन्य लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को स्वीकार करेंगे एवं यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे।साथ ही आप धन एवं सुखोपभोग की सामग्री अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को करने के लिए भी हमेशा तत्पर रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप वांछित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग मिलता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी इस समय सम्पन्न होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव रहेगा तथा अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे।